1 प्रकृति का संदेश

(प्रस्तुत कविता में यह स्पष्ट किया गया है कि प्रकृति में उपस्थित प्रत्येक वस्तु हमें प्रेरणा देती है। इसलिए हमें प्रकृति के समान धैर्य और मिठास घोलते हुए अपना जीवन व्यतीत करना चाहिए।)

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ गिर-गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने दिल में
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

पृथ्वी कहती धैर्य न छोड़ो,
कितना ही हो सिर पर भार।
नभ कहता है फैलो इतना,
ढक लो तुम सारा संसार।

— *सोहनलाल द्विवेदी*

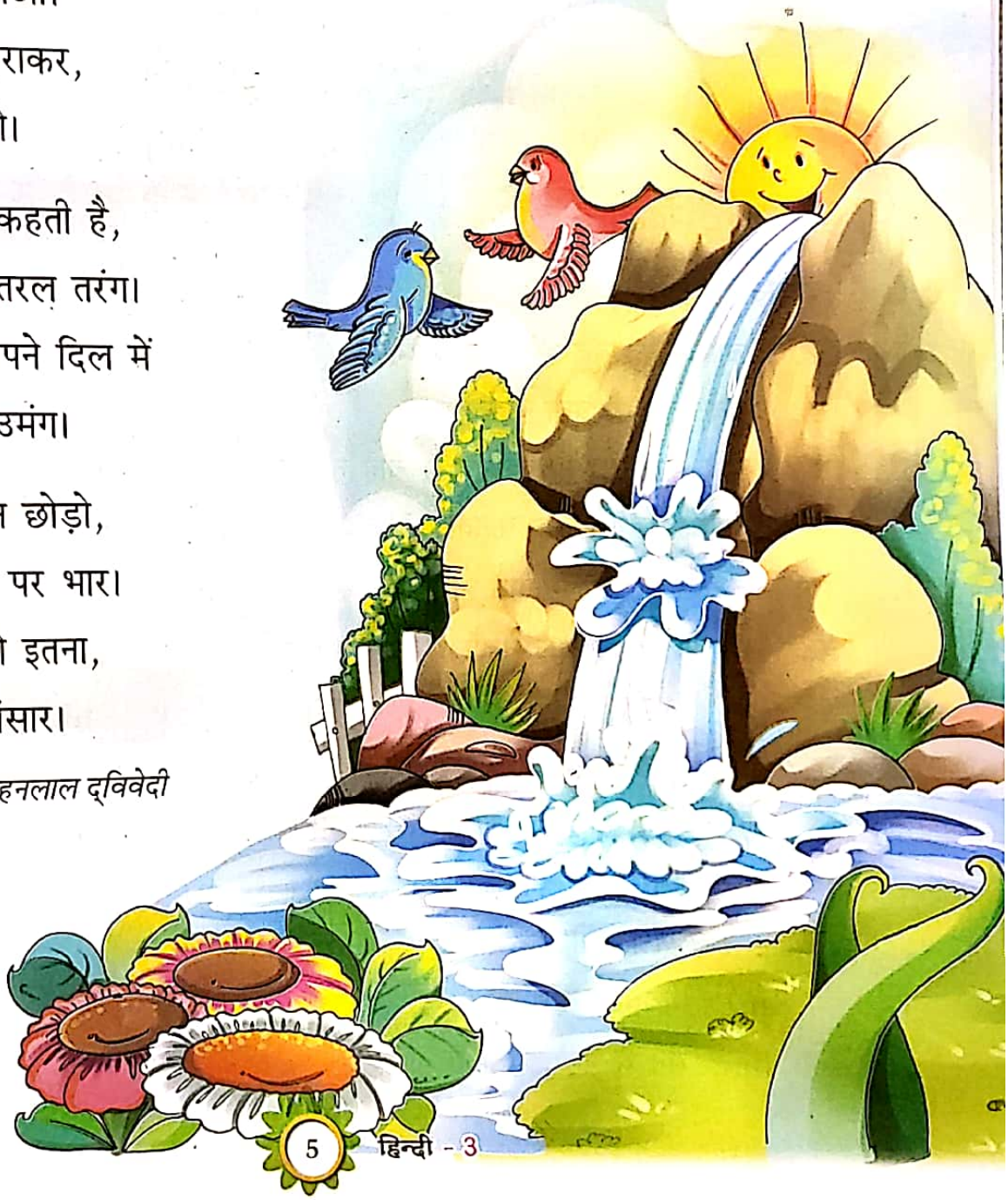

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

पर्वत – पहाड़; शीश – सिर; सागर – समुद्र; तरंग – लहर; मृदुल – कोमल, मुलायम; पृथ्वी – धरती; धैर्य – धीरज; नभ – आकाश;

प्रकृति का एक सुंदर दृश्य बनाइए जिसमें पहाड़, आकाश, नदी, पेड़ और पौधे हों—

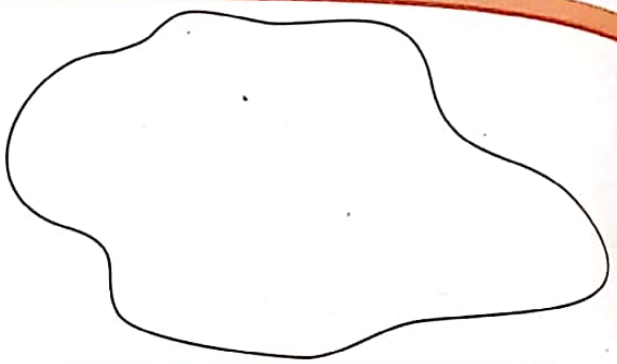

अभ्यास

पढ़ना-लिखना

1. सोचकर बताइए–

क. बारिश की बूँदें हमें क्या कहेंगी?

ख. पर्वत हम से क्या कहता है?

ग. यदि फूल हमसे कुछ कहना चाहें तो क्या कहेंगे?

घ. आकाश हमसे क्या कहता है?

2. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए–

क. मन में गहराई लाने के लिए कौन कहता है?

i. सागर ☐ ii. पर्वत ☐ iii. आकाश ☐

ख. दिल में मीठी उमंगें भरने के लिए कौन कहता है?

i. सागर ☐ ii. लहरें ☐ iii. पृथ्वी ☐

ग. पृथ्वी हमसे क्या कहती है?

i. ऊँचे उठो ☐

ii. धैर्यवान रहो ☐

iii. मन में गहराई लाओ ☐

Scanned with CamScanner

घ. सूरज हमसे क्या कहेगा?

i. धरती पर उजियारा फैलाओ ☐

ii. दिमाग हमेशा गरम रखो ☐

iii. पूर्व दिशा से उगो ☐

3. उचित शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए–

क. कोयल कहती _____ बोलो।

ख. अपने मन में _____ लाओ।

ग. अपना _____ उठाकर ऊँचे बन जाओ।

घ. _____ को कभी न छोड़ो।

शीश

मीठा

धैर्य

गहराई

शब्द संसार

1. मात्रा बदली तो अर्थ बदला – इन शब्दों को पढ़िए और देखिए कैसे मात्रा को बदलने से अर्थ भी बदल जाता है। ऐसे ही और शब्दों के जोड़े बनाइए–

क.	शीश	शीशा	ख.	पिता	_____
ग.	हरी	_____	घ.	दिया	_____
ङ.	बल	_____	च.	भर	_____

अब किसी एक शब्द के जोड़े का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

_____

_____

2. सागर का समानार्थी शब्द है समुद्र। नीचे लिखे शब्दों के समानार्थी शब्द कविता से ढूँढ़कर लिखिए–

क.	जग	_____	ख.	धरती	_____
ग.	हृदय	_____	घ.	समुद्र	_____

3. गहरा का विलोम शब्द है उथला। नीचे दिए शब्दों के उचित विलोम शब्द पर घेरा लगाइए–

क. मीठी – खट्टा/कड़वी

ख. फैलना – सिकुड़ना/सूखना

ग. ऊँचा – ऊपर/नीचा

घ. उठना – बैठना/जागना

Scanned with CamScanner

चिंतन

- इस कविता में पर्वत और सागर की एक-एक सीख बताई गई है। सोचकर बताइए कि आप इनसे एक-एक दूसरी सीख क्या ले सकते हैं?

सुनना-बोलना

- ऐसी ही कोई कविता ढूँढ़कर कक्षा में सुनाइए, जो हमें कुछ सीखने का संदेश देती हो।

व्याकरण

1. कविता में नाम शब्द आए हैं। ऐसे चार नाम शब्द ढूँढ़कर लिखिए, जिनका चित्र बनाया जा सकता है–

नभ _____ _____ _____

2. अब अपने आसपास देखिए, प्रकृति की क्या-क्या वस्तुएँ नज़र आती हैं। उनके नाम लिखिए–

_____

_____

लेखन अभिव्यक्ति

- पेड़ भी हमें बहुत कुछ सिखाते हैं। पेड़ से मिलने वाली सीख को तीन-चार वाक्य में लिखिए–

_____

_____

_____

_____

_____

Scanned with CamScanner